

जनपद का नाम-

निर्वाचक जनपद की सी०			ग्राम पंचायत की सी०-			कुल राजस्व ग्रामों की सी०-						
क्र० सं०	जनपद	निर्वाचक जनपद	ग्राम पंचायत			अभ्यर्थी का विवरण						
			ग्राम पंचायत का नाम	ग्राम प्रधान का नाम	ग्राम प्रधान का फोन नं०	राजस्व ग्राम	नाम	पिता/माता का नाम	जन्म तिथि	उच्चतम शैक्षणिक योग्यता	आधार संख्या	फोन नं०
1	बल्लभ	बल्लभ	बल्लभ-गौरी	राजस्थान ग्राम	975520	बल्लभ	बल्लभ	पदराज	11/3/92	12	-	81710 36099
2												
3												
4												
5												
6												
7												
8												

हस्ताक्षर

ग्राम प्रधान

राजस्थान ग्राम

राजस्थान ग्राम

राजस्थान ग्राम

हस्ताक्षर

ग्राम प्रधान

प्रमाणित अधिकारी

Prakash Kumar

वि० सं० १००० (आ.सं.)

अनुमान एतत्तत्त्वः यत्

॥ राहुन उमार ॥ (१०० गुणसंख्या ५० गुण)

[illegible]

DATE: 2/14/21 PAGE: 2/4

प्रमाणित	कार्यवाही	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
----------	-----------	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

(प्रसिद्धि का मातृ), पुण्य की सीमाओं

प्राप्तम् विद्यालय का नाम, निवासी

..... (राज्य संघासन का नाम), जिसका

निष्कर्ष संक्षेप (अन्य संक्षेप) १. ४ पृष्ठों

प्रमाण संख्या: २२४४४ दिनांक २२/०५/२०१८ ई. के राजस्थान विधानसभा सभापति के कार्यालय, जयपुर

जीव संशोधनार्थ जी अणुनालका ३ वर्षों तक जारी किया है।

श्री राजागिरि काठला/काठाली हैं कि कुपारीका छोटी चरदिगिरियाँ भी जंगल और विद्यालय के अन्तर्गत रहना है।

बॉटि, प्रोडि, इत्यादि उपग्रहसमूह काटपाईं मध्ये उपवीक्षण प्रत्यक्ष कितीही होऊ शकते असे ज्ञान या अभ्यास/प्रयोगात पाईं

जारी हैं जो इस सम्बन्ध में विविध एवं विपरीत के अर्थों में विवाद की जड़ें खड़ी करेवाली के लिए

॥ अथर्वं अथर्वस्य ॥ अथर्वस्य ॥

दिनांक: 25/5/26

11) *Kalshankar*
प्रधानमंत्री और मन्त्र
राष्ट्रिय कृषि
मन्त्रालय, नई दिल्ली का मन्त्र
वि० सं० शासु (अपु०)
(मान्य कृषि मन्त्र)